अल्लाह सुब्हानहु व तआला

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

मज़मून

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

● अल्लाह की नाराजगी का जमाना

हजरत अनस(रदी) से रिवायत हे नबी करीम صلى الله عليه وسلم ने फरमाया लोगो पर एक एसा दौर आयेगा कि मोमीन मुसल्मानो की जमात के लिये दुवा करेगा मगर कुबूल नहीं की जायेगी.

अल्लाह फरमायेगे अपनी जात के लिये और अपनी जरूरतो के लिये दुवा कर मे कुबूल करता हु, लेकिन आम लोगो के हक मे कुबूल नहीं करूंगा इसलिये की उन्होंने मुझे नाराज़ किया हे.

एक रिवायत मे हे की मे उनसे नाराज़ हूं.

● अल्लाह की नाराजगी की नहूसत

अगर पुलिस अफ्सर का बेटा पिट रहा तो लोग क्या समझेगे कि या तो पुलिस अफ्सर को खबर नहीं या लोगो को मालूम नहीं कि ये पुलिस अफ्सर का बेटा हे या पुलिस अफ्सर इस बेटे से नाराज़ हे जो उस्की हमदर्दी नहीं करता आज उम्मत मुस्लीमा का यही हाल हे कि जिसकी वजह से अल्लाह की मदद नहीं आ रही हे, हमने अल्लाह को नाराज़ कर रखा हे, हर तरफ गुनाह फैले हुवे हे, और रोक टोक से भी हम गाफिल हे.

बनू इसराईल की एक बस्ती पर अजाब का हुक्म आया था हजरत जिबराइल(अलै) ने अर्ज़ किया कि इस बस्ती मे एक इबादत गुजार आदमी रहता हे, जिसने आपकी कभी नाफरमानी नहीं की हे, इरशाद हुवा कि इस बस्ती को पहले इस पर फिर तमाम बस्ती वालो पर उलट दो क्युकी मेरी नाफरमानिया होते हुवे ये आबिद देखता था और उस्के चेहरे पर नागवारी का असर भी नहीं होता था, इसलिये इस आबिद पर बस्ती उल्टने का हुक्म पहले दिया गया.

● पांच आदमी अल्लाह की जिम्मेदारी मे हे

हजरत मुआज बिन जबल (रदी) फरमाते हे मेने नबी

करीम صلى الله عليه وسلم को फरमाते हुवे सुना हे कि पांच आदमी अल्लाह की जिम्मेदारी मे हे,

१. जो आदमी अल्लाह के रास्ते मे निकलता हे वो अल्लाह की जिम्मेदारी मे होता हे.

२. जो किसी बीमार की इयादत करने जाता हे वो भी अल्लाह की जिम्मेदारी मे होता हे.

३. जो सुबह या शाम को मस्जीद मे जाता हे वो भी अल्लाह की जिम्मेदारी मे होता हे.

४. जो मदद करने के लिये इमाम के पास जाता हे वो भी अल्लाह की जिम्मेदारी मे होता हे.

५. जो घर बेठ जाता हे और किसी की गीबत और बुराई नहीं करता वो भी अल्लाह की जिम्मेदारी मे होता हे. (हयातुस सहाबा).

● अल्लाह का दरवाजा हर वकत खुला हुवा हे

अहमद बिन गालीब छट्टी सदी हिजरी के बुजरूग गुजरे हे लोग उनके पास दुवा के लिये हाजिर होते थे, एक मरतबा कोई साहब उनकी खिदमत मे आये और किसी चीझ के मुताल्लीक कहा कि फला साहब से वो चीझ मेरे लिये मांग लीजिये, अहमद बिन गालीब फरमाने लगे मेरे भाई मेरे साथ खडे हो जाये हम दोनो दो रकात नमाज पढकर अल्लाह से

ही क्यू ना मांग ले, खुला दरवाजा छोड कर बन्ध दरवाजे का क्यू रूख किया जाये.

फायदा- यकीनन अल्लाह का दरवाजा हर वकत खुला हे, ये यकीन और ईमान की कमजोरी होती हे कि उसे छोड कर मखलुक के बन्ध दरवाजे पर खडे हो कर जिल्लत और रूसवायी उठायी जाये, उस खुले दरवाजे की तरफ रूजु की आदत तो डालिये और आजमा कर तो देखिये.

• अल्लाह की तरफ सच्चे दिल से रूजू होना

बनु इसराइल की कौम मे एक नवजवान जिसने बीस साल तक अल्लाह की इबादत की और बीस साल तक अल्लाह की नाफरमानी की, फिर उसने अपना चेहरा आयने मे देखा तो उसने अपनी दाढी मे एक सुफेद बाल देखा जिसने इस्को गम मे डाला.

उस्के बाद इसने कहा ए अल्लाह मेने बीस साल तक तेरी इबादत की बीस साल तक तेरी नाफरमानी की, अब अगर मे तेरी तरफ लोट कर आउ तो क्या मुझे कुबूल करेगा.

तभी उसने एक कौने से एक गैबी आवाज सुनी, जिसका जिस्म देखा ना जाता था, वो कहते था अगर तु हमारे पास आयेगा तो हम भी तेरे पास आयेगे,

और अगर तु हम को छोडेगा तो हम भी तुझ को छोड देगे, और अगर तु हमारी नाफरमानी करेगा तो हम तुझ को मोहलत देगे, और अगर तु हमारी तरफ रूजु करेगा तो हम तुझे कुबूल करेगे. (कलयूबी)

● अल्लाह पर भरोसा

एक शख्स मैदान मे रहता था उस्के पास एक मुरगा था जो उसको नमाज के लिये जगाता था, एक कुत्ता था जो चोरों से उसकी चोकीदारी करता था, एक गधा था जिस पर वो अपना पानी और खेमा लादता था.

वो शख्स उन कबीलों से जो उस्के करीब थे, किसी कबीले की तरफ आया ताकी उनसे बात चीत करे, उस्के पास ये खबर आई, वो उस कबीले के लोगो की मजलिस मे था, कि लोमडी ने मुरगा को खालीया, ये सुन कर उसने कहा, अगर अल्लाह ने चाहा तो ये बहतर होगा, फिर खबर आई कि कुत्ता मर गया, उसने कहा अगर अल्लाह ने चाहा तो ये भी बहतर होगा, उस्के बाद उस्के पास ये खबर आई कि भेडिये ने उस्के गधे का पेट फाड डाला हे उसने कहा कि करीब हे कि अगर अल्लाह ने चाहा तो ये बहतर होगा.

हालाकि उस कबीले के लोगो ने धोके से मुरगा गधा

और कुत्ता ले लिया था, जब रात हुई तो ये शख्स अपनी मंजिल की तरफ चला गया, जब सुबह हुई तो इसने उन कबीलों को ऐसे हाल मे पाया कि दुश्मन ने उन लोगो को कैद कर लिया और माल सामान लूट लिया, और इन सब की वजह मुरगा का बोलना, कुत्ते का भोंकना, और गधे का आवाज देना हुवा. इस शख्स ने अपनी मंजिल पर सलामती के साथ सुबह की, इसके नजदीक इन सब जानवरों की हलाकत मे बहतरी हुई. (कलयूबी)

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.